MS-CIT
World-class Comprehensive Computer Course

Question Paper
Set- II
Std. – 10th MM/EM
Subject – हिंदी (संपूर्ण)

MKCL KLiC Courses
Gateway to Knowledge Lit Careers

Time : 3 Hrs **Mrks : 80**

सूचनाएँ –

१) सूचना के अनुसार गदय, पद्य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।

२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।

३) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।

४) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग १ – गद्य २०

प्र.१ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (८)

दूसरे दिन रहमान सवेरे आठ – नौ बजे के करीब लक्ष्मी को इलाके से बाहर जहाँ नाला बहता है, जहाँ झाड़ – झंखाड़ और कहीं दूब के कारण जमीन हरी नजर आती है, छोड़ आया ताकि वह घास इत्यादि खाकर अपना कुछ पेट भर ले। लेकिन माँ – बेटे को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि लक्ष्मी एक – डेढ़ घंटे बाद ही घर के सामने खड़ी थी। उसके गले में रस्सी थी। एक व्यक्ति उसी रस्सी को हाथ में थामे कह रहा था – "यह गाय क्या आप लोगों की है?"

रमजानी ने कहा, 'हाँ"।

"यह हमारी गाय का सब चारा खा गई है। इसे आप लोग बाँधकर रखें नहीं तो काँजी हाउस में पहुँचा देंगे।" रमजानी चुप खड़ी आगंतुक की बातें सुनती रही।

दोपहर बाद जब करामत अली ड्युटी से लौटा और नहा – धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली – "मेरी मानो तो इसे बेच दो"।

"फिर बेचने की बात करती हो.....? कौन खरीदेगा इस बुढ़िया को।"

१) संजाल पूर्ण कीजिए। २

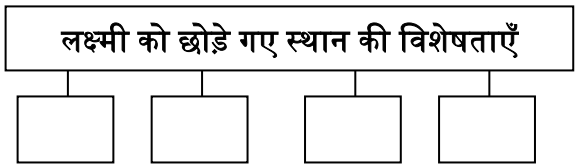

२) केवल एक / दो शब्दों में उत्तर लिखिए: २

i) करामत अली इस समय ड्युटी से लौटा.....

ii) दुसरों की गाय का चारा खानेवाली.....

iii) रमजानी इसकी बातें सुनती रही.....

iv) लक्ष्मी को देखकर आश्चर्यचकित होनेवाले.....

३) क) वचन परिवर्तन कीजिए: १

i) इलाके - _____ ii) रस्सी - _____

ख) लिंग परिवर्तन कीजिए: १

i) बेटा - _____ ii) गाय - _____

४) 'जानवरों के प्रति हमदर्दी' विषय पर अपने विचार लिखिए। २

प्र.१ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (८)

गाड़ी ले हम चल पड़े। क्या शान की सवारी थी। याद कर बदन में झुरझुरी आने लगी है। जिसके यहाँ खाना था, वहाँ पहुँचा। बातचीत में समय का ध्यान नहीं रहा। देर हो गई।

याद आया बाबू जी आ गए होंगे।

वापस घर आ फाटक से पहले ही गाड़ी रोक दी। उतरकर गेट तक आया। संतरी को हिदायत दी। यह सैलूट – वैलूट नहीं, बस धीरे से गेट खोल दो। वह आवाज करे तो उसे बंद मत करो, खुला छोड़ दो।

बाबू जी का डर। वह खट – पट सैलूट मारेगा तो आवाज होगी और फिर गेट की आवाज से बाबू जी को हम लोगों के लौटने का अंदाजा हो जाएगा। वे बेकार में पूछताछ करेंगे। अभी बात ताजा है। सुबह तक बात में पानी पड़ चुका होगा। संतरी से जैसा कहा गया, उसने किया। दबे पैर पीछे किचन के दरवाजे से अंदर घुसा। जाते ही अम्मा मिलीं।

पूछा – "बाबू जी आ गए? कुछ पूछा तो नहीं"?

बोली – "हाँ, आ गए। पूछा था। मैंने बता दिया"।

१) **उत्तर लिखिए:** २

अ) लेखक द्वारा संतरी को दी गई दो सूचनाएँ :

i) _____ ii) _____

२) **लिखिए:** २

अ) शान की सवारी याद आने का परिणाम _____

ब) बातचीत में समय बिताने का परिणाम _____

३) **क) गद्याशं से ऐसे दो शब्द ढूँढकर लिखिए जिनका वचन परिवर्तन से रूप नहीं बदलता:** १

i) _____ii) _____

ख) गद्याशं में प्रयुक्त शब्द – युग्म ढूँढकर लिखिए : १

i) _____ ii) _____

४) 'दादा – दादी के प्रति मेरा कर्तव्य ' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। २

प्र.१ इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ४

संस्कृति ऐसी चीज नहीं कि जिसकी रचना दस – बीस या सौ – पचास वर्षों में की जा सकती हो। अनेक शताब्दियों तक एक समाज के लोग जिस तरह खाते – पीते, रहते – सहते, पढ़ते – लिखते, सोचते – समझते और राज – काज चलातें अथवा धर्म – कर्म करते हैं, उन सभी कार्यों से उनकी संस्कृती उत्पन्न होती है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारी संस्कृति की झलक होती है। यहाँ तक कि हमारे उठने – बैठने, पहनने – ओढ़ने, घूमने – फिरने और रोने – हँसने में भी हमारी संस्कृति की पहचान होती है। हमारा कोई भी काम हमारी संस्कृति का पर्याय नहीं बन सकता। असल में संस्कृति जिंदगी का एक तरीका है और यह तरीका सदियों से जमा होकर उस समाज में छाया रहता है, जिसमें हम जन्म लेते हैं। इसलिए जिस समाज में हम

पैदा हुए हैं अथवा जिस समाज से मिलकर हम जी रहे हैं, उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है।

१) **घटक लिखिए:** २

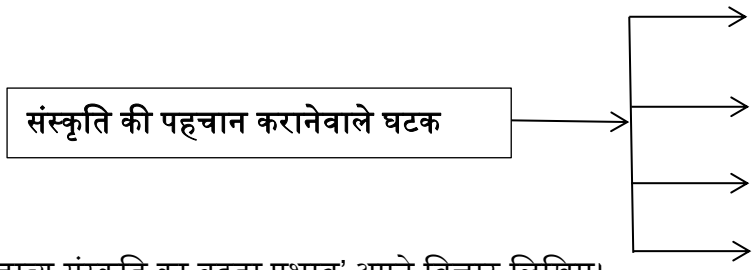

४) 'पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव' अपने विचार लिखिए। २

विभाग २ – पद्य १२

प्र.२ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (६)

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ॥

चूसकर श्रम रक्त जिसका, जगत में मधुरस बनाया,
एक – सी जिसको बनाई, सृजक ने भी धूप – छाया,
मनुजता के ध्वज तले, आह्वान उसका आज कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ॥

विश्व का पालन बन जो, अमर उसको कर रहा है,
किंतु अपने पालितों के, पद दलित हो मर रहा है
आज उससे कर मिला, नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ॥

१) **ii)** आकृति पूर्ण कीजिए । १

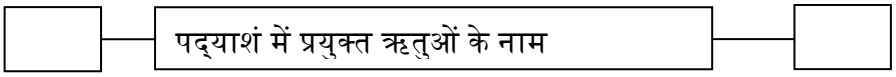

i) आकृति पूर्ण कीजिए । १

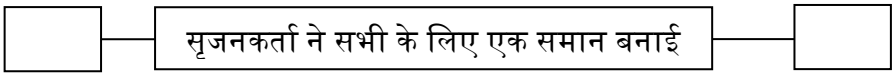

२) **i) पद्यांश में आए दो तत्सम शब्द** खोजकर लिखिए: १

अ) _____ ब) _____

ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द पद्यांश में से खोजकर लिखिए: १

१. असंतोष २. विध्वंस

३) पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। २

प्र.२ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (६)

हरित भूमि तृन संकुल, समुझि परहि नहिं पंथ ।
जिमि पाखंड बिबाद तें, लुप्त होहिं सदग्रंथ ॥

दादुर धुनि चहुँ दिसा सुहाई । बेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई॥
नव पल्लव भए बिटप अनेका । साधक मन जस मिले बिबेका ॥
अर्क – जवास पात बिनु भयउ । जस सुराज खल उद्यम गयऊ ॥
खोजत कतहुँ मिलह नहिं धूरी । करइ क्रोध जिमि धरमहिं दूरि ॥
ससि संपन्न सोह महि कैसी । उपकारी कै संपति जैसी ॥
निसि तम घन खद्योत बिराजा । जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा ॥।

१) संजाल पूर्ण कीजिए । २

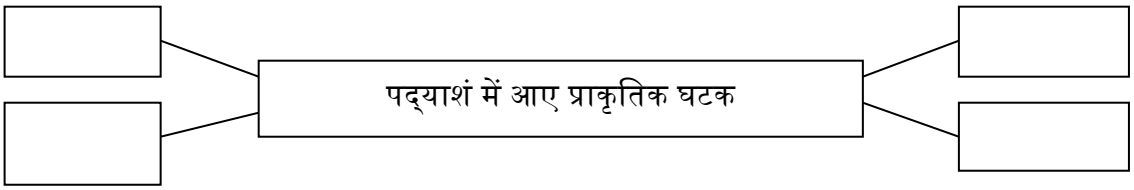

२) **i) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए:** १

१. पत्ते _____ २. पेड़ _____

ii) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोडकर नए शब्द बनाइए:

१. लुप्त २. संपन्न

३. **पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए।** २

विभाग ३ – पूरक पठन ८

प्र.३ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (४)

जिस गली में आजकल रहता हूँ – वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं हैं, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान हैं। इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं। लंद – फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठी या आसमान में उड़ती हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी मगर बातचीत करती या घरों के अंदर यहाँ वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं। उन्हें देखकर लगता मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने हैं, जो शायद ही इधर – उधर फुदक सकते हो या चूँ – चूँ की आवाजें निकाल सकते हों।

मैं ऐसी सँकरी और तंग गली में, मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़ से बिजली या टेलीफोन के तारों से उलझे आसमान से एवं हरियाली के अभाव से जूझते अपने मुहल्ले से बाहर निकलने की भारी कोशिश में हूँ।

१) **प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए ।** २

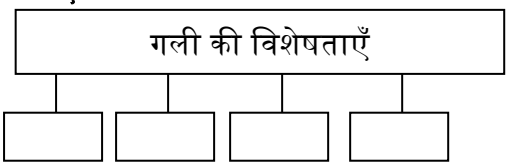

२) 'पक्षियों के संरक्षण के प्रति मनुष्य की पहल' पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। २

प्र.३ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (४)

जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थी झाँसी की रानी।
रजिया सुलताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थीं मर्दानी।

जन्मी थी बीबी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला।
सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी – ऐसी बाला।
गर डींग जनाब उड़ाएँगे, तो मजबूरन ताने सहिए, ताने सहिए, ताने सहिए।
हम उस धरती की लड़की है।

१) **संजाल पूर्ण कीजिए ।** २

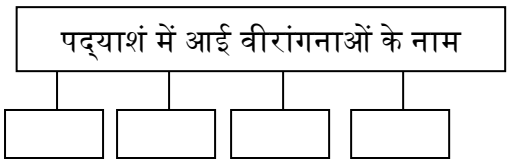

२) 'भारतीय नारी ने आज हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त की है' इस तथ्य पर अपने विचार लिखिए। २

विभाग ४ – भाषा अध्ययन (व्याकरण) १४

प्र.४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानकर लिखिए ।** १
भतीजे के नाम उन्होंने अपनी <u>सारी</u> संपत्ति लिख दी।

२) **निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए । (दो में से कोई एक)** १
अ) तुरंत आ) के कारण

३) **कृति पूर्ण कीजिए । (दो में से कोई एक)** १

शब्द	संधि- विच्छेद	संधि -भेद
परमात्मा	_____ + _____	_____

अथवा

शब्द	संधि- विच्छेद	संधि -भेद
_____	दु: + लाभ	_____

४) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक सहायक क्रिया को पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए ।** १
अ) समुद्र स्याह और भयावह दीखने लगा। आ) मुझे बैंक की नौकरी करनी पड़ी।

सहायक क्रिया	मूल रूप
_____	_____
_____	_____

५) **निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए ।** १

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
अ) खेलना	_____	_____
आ) छोड़ना	_____	_____

६) **निम्नलिकित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** १
अ) कलेजे में हुक उठना आ) तिलमिला जाना

अथवा

अधोरेखित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।
[गुजर – बसर होना , सीना तानकर खड़े रहना]
भीषण जल प्रलय के बाद किसी तरह पीडितों की <u>आजीविका चल रही है।</u>

७) **निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** १
अ) बच्चे रेत का घर बनाने में जुट गए।

कारक चिह्न	कारक भेद
_____	_____

८) **निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए।** १

वह चौकी चारपाई के इधर – उधर ताकने लगी

९) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन कीजिए।** २

i) वे बाजार से नई पुस्तक खरीदते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

ii) दिल्ली शहर में घर ढूँढता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

iii) लिखने से पहले मैंने पढ़ना शुरू किया था। (सामान्य भूतकाल)

१०) **i) नम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए।** १

कई पत्थरों के बीच में पानी भर गया है।।

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। १

१) प्राण को मन से अलग करना पडेगा। (आज्ञार्थक वाक्य)

२) सोनाबाई ने एक पल लड़की को घूरा। (संदेहार्थक वाक्य)

११) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए।** २

i) यह समाज की माथे पर कलंक है।

ii) में बीस रूपये मैं चार भुट्टे खरीदकर चल पड़ा।

iii) यह विसमता कैसे दुर हो?

विभाग ५ – उपयोजित लेखन २६

प्र.५ अ) सूचना के अनुसार लिखिए। (५)

१) पत्रलेखन

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए।

i) २०, सुभाष नगर, डोंबिवली से आरव / आर्या परांजपे अपने मित्र / सहेली महिपाल / महिमा सिंह, १२, शुक्रवार पेठ, कोल्हापुर को पत्र लिखकर निबंध प्रतियोगिता में प्रथम आने के लिए बधाई देता / देती है।

अथवा

ii) उमा / उमेश शर्मा ने मुंबई के सी. पी. टैंक स्थित भारत बुक डेपो से किताबें मँगवाई थी। पार्सल खोलने पर चला कि कुछ किताबों की प्रतियाँ कम मिली हैं और कुछ फटी पुरानी दिख रही हैं। अत: महात्मा गांधी पार्क, नांदेड से वह व्यवस्थापक के नाम शिकायत पत्र लिखती / लिखता है।

२) गद्य आकलन (४)

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हो।

तमिलनाडू में मकरसंक्राति का पर्व पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाया जाता है। इसी दौरान यहाँ जल्ली – कट्टू का पारंपरिक खेल खेला जाता है। यह परंपरा लगभग २५०० साल पुरानी बताई जाती है। इस उत्सव के तीसरे दिन गाँव के तीन सबसे बूढ़े बैलों को तैयार कर छोड़ा जाता है। जिन्हें कोई नहीं पकड़ता। इन बैलों के चले जाने के बाद जल्ली – कट्टू का असली खेल शुरू होता है। इस खेल में गाँव के हट्टे – कट्टे बैलों की सींगो में सिक्कों की थैलियाँ बाँधी जाती हैं और उन्हें छोड़ दिया जाता है। इसके बाद खेल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को उस बैल की एक तरह से सवारी करनी होती है। इसमें खिलाड़ी होती है। इसमें खिलाड़ी को बैल को पकड़कर या उसपर फिनीशिंग लाइन तक पहुँचना होता है। ऐसा करने वाला खिलाड़ी विजेता घोषित

होता है। अगर खिलाड़ी ऐसा नहीं कर पाता तो बैल विजयी होता है। प्राचीन काल में इस खेल का आयोजन स्वयंवर के रूप में होता था। जो योद्धा बैल पर विजय प्राप्त करते थे, महिलाएँ उसे अपने जीवनसाथी के रूप में चुनती थीं। जल्ली – कट्टू की तुलना कई बार स्पेन के 'बुलफाइटिंग' खेल से भी होती है, लेकीन इन दोनों खेलों में बहुत अंतर है। इस खेल में न ही बैलों को मारा जाता है और न ही किसी प्रकार के हाथियार का उपयोग होता है।

आ) सूचना के अनुसार लिखिए। **(५)**

१) वृत्तांत – लेखन

नीचे दिए विषय पर ६० से ८० शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

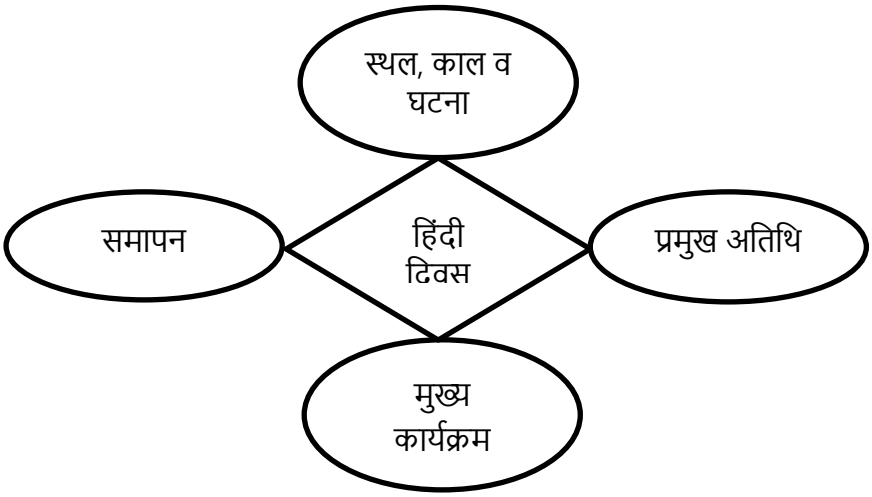

अथवा

कहानी लेखन

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए।

घना जंगल .....बंदर और चिड़िया का पेड़ पर रहना .....तेज आँधी व बारीश आना ..... चिड़िया का घोंसले में जाना ..... बंदर का भोगना..... बारीश रूकना ..... चिड़िया का समझना ..... बंदर का चिड़िया का घोसला तोड़ना ..... चिड़िया का बंदर को बेवकूफ कहना और फुर्र से उड़ जाना ..... सीख।

२) विज्ञापन लेखन ५

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

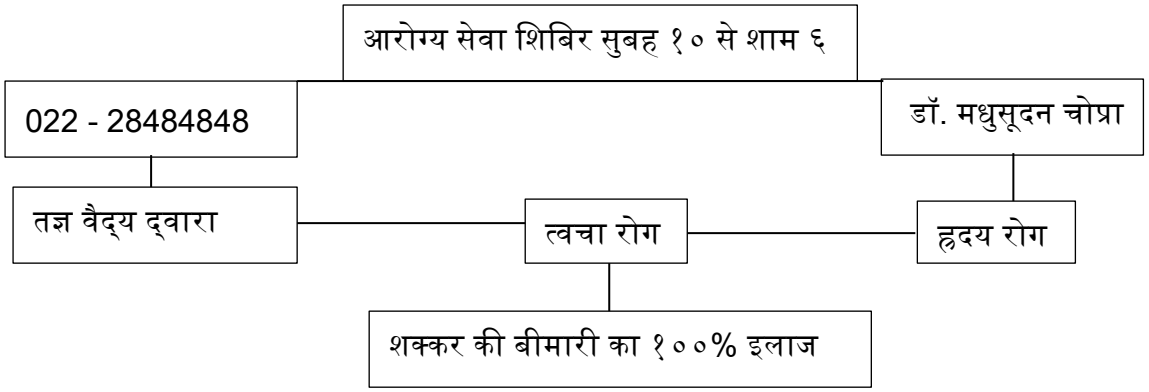

३) निबंध लेखन

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए। ७

१) ऐतिहासिक स्थल की सैर २) मेरा प्रिय गायक ३) फूल की आत्मकथा